



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 28 ]  
No. 28]

नई दिल्ली, बुधवार, फरवरी 23, 2000/फाल्गुन 4, 1921  
NEW DELHI, WEDNESDAY, FEBRUARY 23, 2000/PHALGUNA 4, 1921

वाणिज्य मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 23 फरवरी, 2000

विषय : ताईवान से एकीलोनाईट्राईल बूटाडीन रबड़ (एनबीआर) के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच—अंतिम जांच निष्कर्ष

सं. 22/1/99-डीजीएडी.— वर्ष 1995 में यथा संशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और उसके सीमा-शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण और क्षति निर्धारण) नियम, 1995 को ध्यान में रखते हुए :

क. प्रक्रिया

1 नीचे वर्णित प्रक्रिया का पालन किया गया है :

- i) निर्दिष्ट प्राधिकारी (अग्रे प्राधिकारी भी कहा गया है) ने दिनांक 28.9.1999 की अधिसूचना सं० 22/1/99-डीजीएडी द्वारा प्रारंभिक निष्कर्षों को अधिसूचित किया तथा हितबद्ध पार्टियों से इसके प्रकाशन की तिथि से चालीस दिनों के भीतर लिखित रूप में अपने विचार भेजने का अनुरोध किया ;
- ii) प्राधिकारी ने सभी ज्ञात हितबद्ध पार्टियों को प्रारंभिक निष्कर्षों की एक प्रति भेजी थी जिनसे पत्र की तिथि से चालीस दिनों के भीतर अपने विचार, यदि कोई हों, प्रस्तुत करने का अनुरोध किया था ।
- iii) प्राधिकारी ने प्रारंभिक निष्कर्षों की एक प्रति नई दिल्ली स्थित ताईपेह आर्थिक एवं सांस्कृतिक केन्द्र को भी इस अनुरोध के साथ भेजी थी कि निर्यातकों और अन्य हितबद्ध पार्टियों को प्रारंभिक निष्कर्षों पर अपने-अपने विचार भेजने का परामर्श दिया जाए ।
- iv) प्राधिकारी ने 11 नवम्बर, 1999 को मौखिक विचारों के लिए एक सार्वजनिक सुनवाई की । सार्वजनिक सुनवाई में भाग लेने वाली सभी पार्टियों से, मौखिक रूप

से व्यक्त किए गए विचारों को लिखित में दर्ज कराने का अनुरोध किया गया था। पार्टियों से, प्रतिपक्षी पार्टियों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों की प्रतियां लेने और उनका खंडन प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया था। निम्नलिखित पार्टियों ने सार्वजनिक सुनवाई में भाग लिया :

ताईपेह आर्थिक एवं सांस्कृतिक केन्द्र, नई दिल्ली  
 मै0 नैनटेक्स, ताईवान  
 मै0 सेपुलश्रे ब्रदर्स (इंडिया) लि0, बम्बई  
 मै0 सीलिक बम्बई ट्रेडिंग प्रा0 लि0, बम्बई  
 अखिल भारतीय रबड़ उद्योग परिसंघ, नई दिल्ली  
 मै0 प्लेक्सकॉरिफ्ल, नई दिल्ली  
 मै0 अपार लि0, मम्बई

- v) उपरोक्त नियमों के नियम 16 के अनुसार, इन निष्कर्षों के लिए विचारित अनिवार्य तथ्यों/आधार को ज्ञात हितबद्ध पार्टियों के समक्ष प्रकट किया गया था। उन पर मिली टिप्पणियों पर इन निष्कर्षों में विधिवत् विचार किया गया है।
- vi) निर्यातक, आयातक एवं अन्य हितबद्ध पार्टियों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों, जिनमें सामान्य मुद्दे भी शामिल हैं, को संक्षिप्तता के कारण नहीं दोहराया गया है। प्रारंभिक निष्कर्षों से पूर्व विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों को भी संक्षिप्तता के कारण नहीं दोहराया गया है :
- vii) इस जांच को इसकी शुरुआत से एक वर्ष के भीतर समाप्त कर दिया गया है ;
- viii) इस अधिसूचना में \*\*\*\* से किसी हितबद्ध पार्टी द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना प्रदर्शित होती है और नियमों के तहत प्राधिकारी द्वारा उसे ऐसा ही समझा गया है।
- ix) सार्वजनिक सुनवाई: प्राधिकारी ने दिनांक 11 नवम्बर, 1999 को मौखिक रूप से विचार सुनने के लिए एक सार्वजनिक सुनवाई की। सभी हितबद्ध पार्टियों को लिखित अनुरोध/विचारों का आदान-प्रदान/खण्डन करने के लिए दिनांक 25.11.99 तक की समय-सीमा दी गई थी। समय पर प्राप्त हुए जवाबों पर विचार किया गया है।

#### ख. याचिकाकर्ता के विचार:

2.0 प्रारम्भिक निष्कर्षों के संबंध में याचिकाकर्ताओं के निवेदनों की जांच की गई है तथा उन पर विचार किया गया है और उन पर उचित ढंग से कार्रवाई की गई है।

**2.1 याचिकाकर्ता द्वारा तर्क:** सामान्य मूल्य का निर्धारण आकलित मूल्य के आधार पर किया जाना अपेक्षित था। चूंकि निर्दिष्ट प्राधिकारी के पास उत्पादन लागत और भारत में भुगतान योग्य अथवा भुगतान की गई वास्तविक कीमत के बारे में पर्याप्त सूचना उपलब्ध थी, इसलिए नियमों में हाल ही में किए गए संशोधनों (15 जुलाई, 1999) को देखते हुए, ताईवान में एनबीआर के सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए इसका इस्तेमाल किया जाना चाहिए था। इसके अलावा, प्रारंभिक निष्कर्षों से यह होता है कि कम्पनी ने कीमत समायोजन के दावे के समर्थन में कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है। चूंकि निर्दिष्ट प्राधिकारी ने प्रारंभिक निष्कर्षों से पहले ही जांच पूरी कर ली है, इसलिए याचिकाकर्ताओं ने प्राधिकारी से अनुरोध किया है कि प्रारंभिक निष्कर्षों के बाद निर्यातक द्वारा प्रस्तुत किए गए किसी दावे पर विचार न किया जाय और निर्यातक को प्रारंभिक निष्कर्ष के पश्चात किसी साक्ष्य को प्रस्तुत करने की अनुमति न दी जाय, क्योंकि दौरे के बाद प्रस्तुत की गई सूचना की जांच प्राधिकारी द्वारा नहीं की जा सकती है।

ग. निर्यातक, आयातक एवं अन्य हितबद्ध पार्टियों के विचार:

3.0 आयातकों एवं निर्यातकों ने अपने विचार व्यक्त किए हैं और उनका नीचे संक्षेप में उल्लेख किया गया है। निर्यातकों एवं आयातकों द्वारा व्यक्त किए गए समान प्रकृति के तर्कों को संक्षिप्तता के कारण नहीं दोहराया गया है।

4.0 निर्यातकों के विचार:

4.1 मै0 नैनटेक्स इंडस्ट्रीज कं. लि0, ताईवान

निर्यातकों ने यह कहा है कि मै0 नैनटेक्स ने 1980 के दशक में एनबीआर का विनिर्माण और उसका विपणन करना प्रारम्भ किया और उनका लक्ष्य ताईवान के एन बी आर के बाजार में अंतर्राष्ट्रीय प्रतिद्वंद्वियों के मुकाबले एक प्रभावी स्थिति प्राप्त करना था। उत्तरी ताईवान में ग्राहकों की सेवाएं प्रदान करने के लिए ताईपेह में एक पृथक कार्यालय की स्थापना की गई है क्योंकि मै0 नैनटेक्स देश के दक्षिणी छोर पर स्थित है। निर्यातकों ने कहा है कि वे अपने घरेलू उपभोक्ताओं को तकनीकी तथा बिक्री के बाद की व्यापक सेवा प्रदान करते हैं। यह सेवा घरेलू उपभोक्ताओं को आवश्यक तकनीकी प्रशिक्षण तथा उनके साथ सेमिनारों का आयोजन करने के लिए प्रदान की जाती है। इसके अलावा, घरेलू उपभोक्ताओं की आवश्यकता के दो से तीन महीनों के लिए स्टॉक रखना पड़ता है। इसके अलावा, वे घरेलू उपभोक्ताओं को 90-120 दिन की ऋण सुविधा प्रदान करते हैं। इन सभी प्रयासों तथा निवेशों का स्पष्ट तात्पर्य घरेलू बाजार में नैन्कर एन बी आर की छवि को बढ़ाने से है।

4.2 निर्यातकों ने कहा है कि उन्होंने अपने प्राधिकृत एजेंटों तथा स्टॉकिस्टों के जरिए भारत में बाजार क्रियाकलापों की शुरुआत की तथा उनमें विस्तार किया है। अन्य बातों में वे सेपुलशे ब्रदर्स (भारतीय एजेंट) से भारतीय ग्राहकों की भावी जरूरतों के बारे में आवश्यक रिपोर्ट तथा बाजार सूचना संबंधी रिपोर्ट प्राप्त करते हैं। अपने एजेंटों के जरिए निर्यातकों से पक्के आदेशों के प्राप्त होने पर निर्यात आदेशों के अनुसार कार्यक्रम तैयार कर माल का उत्पादन करते हैं। इसलिए स्टॉक हमारे माल-गोदामों में अधिक देर तक नहीं रहता है।

4.3 मै0 सीलिक ट्रेडिंग (भारत में उनके स्टॉकिस्ट) द्वारा उन्हें एन बी आर के सभी ग्रेडों के लिए अगले तीन महीनों की उनकी आयात आवश्यकताओं के बारे में पूर्वानुमानित मांग प्रस्तुत की जाती है। तदनुसार, वे अपना उत्पादन कार्यक्रम तैयार करते हैं। इस व्यवस्था के साथ निर्यातकों ने यह दोहराया है कि उनके लिए यह आवश्यक नहीं रह जाता है कि वे भारतीय ग्राहकों के लिए भी वस्तु-सूची के उच्च स्तर को बनाए रखें।

## 5. आयातक के विचार:

### 5.1 मै0 सीलिंग बम्बई ट्रेडिंग प्रा0 लि0, बम्बई

आयातकों ने यह निवेदन किया है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा अनन्तिम निष्कर्ष में यह अभिमत व्यक्त किया गया है कि घरेलू बिक्री अर्थात् तकनीकी सेवा प्रभार, बीमा इत्यादि के लिए समायोजनों को प्राधिकारी द्वारा स्वीकृत नहीं किया गया है। ताईवान के निर्यातकों ने सार्वजनिक सुनवाई में स्पष्ट रूप से यह कहा है कि उन्होंने अपने घरेलू बाजार के लिए अतिरिक्त खर्च उठाया है और इसलिए इन पर विचार किया जाना चाहिए।

5.2 याचिकाकर्ता ने अपनी क्षति के धोखाधड़ीपूर्ण ब्यौरे दिए हैं जबकि ऐसी कोई क्षति नहीं हुई है।

5.3 घरेलू उद्योग द्वारा विभिन्न देशों के खिलाफ समान उत्पाद के संबंध में बार-बार आवेदन करने पर कोई रोक नहीं है। तथापि, यह माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी के लिए आवश्यक है और यह राष्ट्र के व्यापक हित में है कि क्षति का विस्तृत विश्लेषण किया जाए।

5.4 याचिकाकर्ताओं ने खुद ही यह स्वीकार किया है कि "प्रतिस्थापन तथा लाईसेंस राज के युग में एन बी आर परियोजना की परिकल्पना तथा इसकी स्थापना की गई थी।" मै0 गुजरात अपार को एक विश्वस्तरीय संयंत्र लगाने की अनुमति नहीं दी गई थी तथा उसकी क्षमता को सीमित किया गया था। वर्ष 1998-99 की अवधि के लिए याचिकाकर्ताओं के तुलन-पत्र तथा वार्षिक रिपोर्ट में क्षमता विस्तार, सह-उत्पादन की स्थापना, कारखानागत विद्युत तथा वाष्प संयंत्र का उल्लेख है जिससे उपयोगिता लागत में बचत होगी।

5.5 माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी को ताईवान में निर्यातक के संयंत्र के आकार पर अवश्य विचार करना चाहिए और बड़े पैमाने पर की गई किफायतों के लिए आवश्यक समायोजन करना चाहिए।

5.6 आयातकों ने यह निवेदन किया है कि सिंथेटिक एंड केमिकल्स लि0 ने एन बी आर का अपना उत्पादन 5-6 वर्ष पूर्व ही बंद कर दिया था और ऐसा ताईवान से होने वाले किसी आयात के काफी पहले हुआ था।

5.7 मोनोमर की कीमतों में आई भारी गिरावट को हिसाब में लिए बिना घरेलू उद्योग की औसत इकाई बिक्री प्राप्ति में अत्यधिक गिरावट आई है।

- 5.8 याचिकाकर्ता एनबीआर के साथ समानान्तर रूप से जुड़ा हुआ विनिर्माता है जो उनके द्वारा उत्पादित कई उत्पादों एवं पालीब्लोण्ड के लिए आधार बनता है।
- 5.9 याचिकाकर्ताओं के वर्ष 1998-99 में वार्षिक लेखाओं से यह पता चलता है कि उन्होंने अपने घाटे को कम करने के लिए एनबीआर संयंत्र का उपयोग अन्य कार्यों के लिए किया। यह असम्भव और भ्रामक है क्योंकि याचिकाकर्ता 100% से भी अधिक की क्षमता में कार्य कर रहा है।
- 5.10 याचिकाकर्ताओं ने बताया है कि समग्र बिक्री पर पृथक् रूप से विचार नहीं किया जा सकता है क्योंकि याचिकाकर्ता अपने एनबीआर संयंत्र और अन्य सुविधाओं का अन्यत्र प्रयोग कर रहा है जहाँ से उसे अधिक लाभ मिलता है। यह देखा जा सकेगा कि पाटनरोधी शुल्क लगाने के बाद भी कोरिया की कीमतों में नाटकीय ढंग से कमी की गई है और कोरिया से होने वाले आयातों की मात्रा में वृद्धि हुई है। इसके अलावा, जापान और जर्मनी से होने वाले आयातों की मात्रा में गिरावट आई है जबकि कीमतों में वृद्धि हुई है। इसके विपरीत ताईवान से आयातों की मात्रा में मामूली वृद्धि हुई है जबकि घटती लागत के साथ-साथ कीमतों में गिरावट आई है। यह उल्लेख किया गया है कि क्षति यदि कोई हो, कोरिया से हुए आयात के कारण हो रही है न कि ताईवान द्वारा। ताईवान के बाजार हिस्से में हुई वृद्धि पर कुल बाजार मांग और याचिकाकर्ता की क्षमता तथा परम्परागत आपूर्तिकर्ता जैसे जापान और जर्मनी पर पाटनरोधी शुल्क के आगमन में विचार किए जाने की जरूरत है।
- 5.11 आयातकों ने ताईवान से हुए आयातों पर लगाए गए अनंतिम शुल्क को हटाए जाने का अनुरोध किया है।

#### **6.1 ताइपेह आर्थिक एवं सांस्कृतिक केन्द्र, नई दिल्ली**

- उन्होंने उल्लेख किया है कि वे सार्वजनिक सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के एटार्नी द्वारा दिए गए बयान के बारे में चिंतित हैं, जिससे यह प्रतीत होता है कि ताईवान न तो डब्ल्यू.टी.ओ. का सदस्य है और न वह परम मित्रराष्ट्र का व्यवहार प्राप्त देश है। भारत द्वारा ताईवान को प्रदत्त व्यवहार के मद्देनजर, ताईवान का मामला सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम करार के तहत सुरक्षाउपाय लागू करने के लिए एक उचित मामला नहीं है।
- 6.2 उन्होंने यह बात दोहराई है कि ताईवान डब्ल्यू.टी.ओ. का एक पर्यवेक्षक है और वह डब्ल्यू.टी.ओ. का सदस्य बनने के अंतिम चरण में पहले ही पहुंच चुका है।
- 6.3 उन्होंने यह भी कहा है कि उनके भारत के साथ कोई राजनयिक संबंध नहीं है। तथापि, ताइपेह आर्थिक एवं सांस्कृतिक केन्द्र, नई दिल्ली और ताइपेह में ताइपेह एसोसिएशन दोनों कार्यालय न केवल वीजा संबंधी मामलों पर कार्रवाई करते हैं बल्कि सरकारी वार्ताओं में भी भाग लेते हैं जैसाकि आमतौर पर दूतावास अपना काम करते हैं।

## 7.0 आल इंडिया रबड़ इन्डस्ट्रीज एसोसिएशन, नई दिल्ली

- 7.1 एसोसिएशन ने कहा है कि वे दक्षिण कोरिया से किए गए एनबीआर के आयातों के बारे में पाटनरोधी कार्रवाई के दौरान उनके एसोसिएशन के एक सदस्य मैसर्स ऋषिरूप पालिमर्स द्वारा 7.10.99 को उठाई गई आपत्तियों की ओर निर्दिष्ट प्राधिकारी का ध्यान आकृष्ट करना चाहेंगे ।
- 7.2 मैसर्स ऋषिरूप पालिमर्स ने यह आपत्तियां दर्ज की थी कि पूर्व सहायक निदेशक श्री ए.के. गुप्ता, जो इस मामले की देख-रेख कर रहे थे, अब एक सलाहकार के रूप में याचिकाकर्ता (अपार इन्डस्ट्रीज लि.) का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं । इससे उनके मामले के साथ भेदभाव हुआ है और यह प्राकृतिक न्याय के खिलाफ है । इसके अलावा निर्दिष्ट प्राधिकारी ने स्पष्ट किया था कि इस मामले में विधि मंत्रालय की राय प्राप्त की जाएगी ।
- 7.3 यह उल्लेख किया गया है कि ताईवान के खिलाफ पाटन-रोधी मामले में तब तक कोई कार्रवाई न की जाय जब तक श्री ए.के. गुप्ता द्वारा याचिकाकर्ता के हितों का प्रतिनिधित्व करने की वैधता के बारे में कोई निर्णय नहीं लिया जाता है ।
- 7.4 कि सम्पूर्ण पाटनरोधी कार्रवाई शुरूआत से ही नए सिरे से प्रारंभ की जाय और डब्ल्यूटीओ के नियमों और प्राकृतिक न्याय के सिद्धान्तों का अनुकरण किसी आपवाद के बिना निष्ठापूर्वक किया जाय ।
- 7.5 उन्होंने निवेदन किया है कि पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय में पहले कार्यरत किसी भी व्यक्ति को उन सभी मामलों में निर्दिष्ट प्राधिकारी के समक्ष उपस्थित होने की अनुमति न दी जानी चाहिए जो मामले उस समय शुरू किए गए थे जब ये अधिकारी पाटनरोधी एवं संबद्ध महानिदेशालय में कार्यरत थे ।

**घ: प्राधिकारी द्वारा जाँच**

8.0 याचिकाकर्ता, निर्यातकों, आयातकों एवं अन्य हितबद्ध पक्षों द्वारा किए गए अनुरोध की जांच की गई है और उन पर विचार किया गया है तथा जहां उचित समझा गया है, एतदपश्चात् उन पर कार्रवाई की गई है।

8.1 जहां तक याचिकाकर्ता द्वारा प्रारंभिक निष्कर्षों के बाद निर्यातक द्वारा दिए गए किसी साक्ष्य पर ध्यान न देने के बारे में किए गए अनुरोध का संबंध है, प्राधिकारी का मानना है कि याचिकाकर्ता का तर्क निराधार है, क्योंकि निर्यात की सूचना की जांच करने से पहले/बाद में प्रस्तुत साक्ष्यों के आधार पर कतिपय समायोजनों की अनुमति दी गई थी और अनुमति नहीं दी गई थी। यदि निर्यातक प्रारंभिक निष्कर्षों में अनुमति न दिए गए कुछ समायोजनों के बारे में विस्तृत साक्ष्य प्रस्तुत कर देता तो प्राधिकारी नियम 7(4) के अनुसार उन पर अंतिम निष्कर्षों में उन पर विचार कर सकते थे।

8.2 जहां तक मै. नेनटेक्स द्वारा दिए गए तर्कों का संबंध है, प्राधिकारी ने निर्यातक से बिक्री तथा तकनीकी सेवा प्रभार, बीमा तथा वित्त पोषण की लागत, भंडारण एवं हैंडलिंग तथा उन पर किए गए खर्च की राशि के बारे में साक्ष्य प्रस्तुत करने का अनुरोध किया। निर्यातक द्वारा अतिरिक्त सूचना प्रस्तुत की गई। यह नोट किया गया है कि प्रस्तुत किए गए साक्ष्य अपूर्ण हैं और एन बी आर तथा कंपनी के अन्य प्रचालनों के लिए कुल खर्च का ब्यौरा अलग से प्रस्तुत नहीं किया गया है। लैटेक्स तथा इलास्टोमर के उत्पादन तथा बिक्री के ब्यौरे के बारे में पृथक सूचना के अभाव में निर्यातक द्वारा की गई एन बी आर की घरेलू तथा निर्यात बिक्रियों की तुलना में तकनीकी सेवा प्रभारों, बीमा तथा वित्तीय लागत, भंडारण तथा हैंडलिंग खर्च के संबंध में खर्चों को आवंटित करना संभव नहीं हुआ है। उपरोक्त बातों के मद्देनजर प्राधिकारी ने इन कारणों के आधार पर दावा किए गए समायोजन की अनदेखी की है।

8.3 जहां तक ताइपेह इकनामिक एण्ड कल्चरल सेंटर द्वारा दिए गए तर्कों का संबंध है, प्राधिकारी इस तथ्य के होते हुए भी कि ताईवान डब्ल्यूटीओ का सदस्य नहीं है वर्तमान पाटनरोधी जांच को आगे बढ़ाना उचित समझते हैं क्योंकि पाटनरोधी कार्रवाई केवल डब्ल्यूटीओ सदस्यों तक ही सीमित नहीं है।

3.4 जहाँ तक एक सलाहकार के रूप में याचिकाकर्ताओं का प्रतिनिधित्व करने वाले श्री ए.के. गुप्ता (पूर्व सहायक निदेशक) के बारे में 11 नवम्बर, 99 को हुई सार्वजनिक सुनवाई के दौरान एक हितबद्ध पक्ष द्वारा उठाई गई आपत्ति का संबंध है, प्राधिकारी ने इस मुद्दे की जांच की है तथा यह निर्णय दिया है कि श्री ए.के. गुप्ता को ऐसे मामलों में उपस्थित नहीं होना चाहिए।

### च. विचाराधीन उत्पाद

9.0 विचाराधीन उत्पादन, जिसकी पाटन के लिए जांच की गई हैं, उसे प्रारंभिक निष्कर्षों में परिभाषित किया गया है और वह है एक्रीलोनाइट्रिल बुटाडिन रबड़ (जिसका एनबीआर के रूप में की उल्लेख किया गया है) प्राधिकार यह बात नोट करते हैं कि ताईवान मूल की आयातित वस्तुएं, वाणिज्यिक एवं तकनीकी दोनों रूप में, घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तुओं के स्थान पर प्रयोग किए जाने योग्य थीं। वर्तमान जांच के क्षेत्र विस्तार को जांच शुरूआत की सूचना में परिभाषित किया गया था

प्राधिकारी विचाराधीन उत्पाद से संबंधित प्रारंभिक निष्कर्षों के पैरा 3 की पुष्टि करते हैं।

### छ. समान वस्तुएं एवं घरेलू उद्योग

10.0 यह तर्क कि जर्मनी और कोरिया के खिलाफ पाटनरोधी जांचों के संबंध में निष्कर्ष निकाल लिए गए हैं और पाटनरोधी शुल्क लगाया गया है और इसलिए इन देशों से हुए आयात घरेलू उद्योग पर प्रभाव डाल रहे हैं और ताईवान से हुए आयात घरेलू उद्योग को कोई नुकसान नहीं पहुंचा रहे हैं, के समर्थन में कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है। किसी विशेष मामले में प्राधिकारी द्वारा की गई टिप्पणियाँ उस विशेष मामले में दर्ज तथ्यों पर आधारित होती हैं और उन्हें किसी अन्य पाटनरोधी मामलों के संज्ञान के रूप में नहीं लिया जा सकता है। प्राधिकारी दिनांक 28.9.99 के प्रारंभिक निष्कर्षों के पैरा-च में समान वस्तु के बारे में दिए गए विचार की पुष्टि करते हैं।

### ज. सामान्य मूल्य एवं निर्यात कीमत

निर्यातक ने प्रारंभिक निष्कर्षों के बाद घरेलू कीमतों, तकनीकी सेवा प्रभारों, भण्डारण और हैंडलिंग इत्यादि जैसे कुछ समायोजनों के बारे में अतिरिक्त सूचना प्रस्तुत की है। चूंकि निर्यातक द्वारा प्रस्तुत ये साक्ष्य नानटेक्स द्वारा कुल एनबीआर प्रचालन पर किए गए खर्च से मेल नहीं खाते हैं/उसके साथ प्रमाणित नहीं होते हैं, इसलिए प्राधिकारी इस सूचना पर विचार न करने के लिए बाध्य है।

प्राधिकारी सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के बारे में प्रारंभिक निष्कर्षों के पैरा-11 एवं 12 की पुष्टि करते हैं।

12.0 तुलना: सामान्य मूल्य एवं निर्यात कीमत के बीच उचित तुलना करने के प्रयोजन से प्राधिकारी ने निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत सूचना और प्राधिकारी के पास उपलब्ध अन्य सूचना पर विचार किया। सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत की तुलना कारखाना स्तर पर की गई है।



13.९ **पाटन मार्जिन:** चूँकि ताइवान से कोई दूसरा निर्यातक नहीं है इसलिए प्राधिकारी ने दूसरे उत्पादकों/निर्यातकों के संबंध में पाटन मार्जिन का निर्धारण नहीं किया है। उपर्युक्त के आधार पर, सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत की तुलना करने पर नानटेक्स इंडस्ट्रीज कं० के संबंध में पाटन मार्जिन \*\*\* प्रति मी.टन आंका गया है। उक्त उत्पादक की निर्यात कीमत के प्रतिशत के रूप में व्यक्त पाटन मार्जिन 13.39 % आंका गया है।

### झ. क्षति

14.0 उक्त नियम 11 अनुबंध-II के तहत जब क्षति के बारे में कोई निष्कर्ष निकाला जाता है तो इस प्रकार के निष्कर्ष का घरेलू उद्योग को हुई क्षति का निर्धारण भी शामिल होगा। ऐसा करने के समय पाटित आयातों की मात्रा, घरेलू बाजार में समान वस्तुओं की कीमतों पर उनके प्रभाव तथा इस प्रकार की वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव सहित सभी संबंधित तथ्यों को ध्यान में रखा जाता है। कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करते समय यह जांच करना आवश्यक समझा जाता है कि क्या आयातों के पाटन से कीमत में भारत में समान वस्तु की कीमत की तुलना में कोई उल्लेखनीय कटौती की गई है अथवा क्या इस प्रकार के आयातों के प्रभाव से कीमतों में अन्यथा उल्लेखनीय स्तर तक गिरावट आई है या कीमत वृद्धि में रूकावट आई है जो कि अन्यथा उल्लेखनीय स्तर तक बढ़ गई होती।

नियमावली के अनुबंध-II के नियम(iii) के अनुसार यह अपेक्षित है कि एक से अधिक देश से उत्पाद के आयातों के मामले में जब पाटनरोधी जांच एक साथ की जा रही है तो प्राधिकारी इस प्रकार के आयातों का संचयी रूप से आकलन करेगा। तथापि, इस प्रकार का आकलन तभी किया जा सकता है जब यह सुनिश्चित हो जाए कि:

(क) प्रत्येक देश से आयातों के संबंध में पाटन मार्जिन निर्यात कीमत के प्रतिशत के रूप में 2 प्रतिशत से अधिक बैठता हो और प्रत्येक देश से आयातों की मात्रा भारत में समान वस्तु के आयात का 3% बैठता हो; तथा

(ख) आयातों के प्रभाव का संचयी आकलन, आयातित वस्तु तथा समान घरेलू वस्तु के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों की दृष्टि से उचित हो।

15.0 मौजूदा मामले में, प्रत्येक निर्यातक तथा देश के संबंध में भी पाटन मार्जिन निर्धारित सीमा से अधिक है। इसके अलावा, आयातित वस्तु एवं समान घरेलू वस्तु के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों की दृष्टि से आयातों के प्रभाव का संचयी मूल्यांकन भी समुचित है। अतः प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग पर इन आयातों के प्रभावों का संचयी रूप से आकलन किया है।

16.0 भारत में घरेलू उद्योग पर आयातों के प्रभाव की जांच करने के लिए प्राधिकारी (क) पाटित आयातों की मात्रा तथा समान वस्तु के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर पाटित आयातों का

प्रभाव तथा (ख) इन उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों से पड़ने वाले प्रभाव, दोनों पर ही विचार कर सकता है। प्राधिकारी उक्त नियमावली के अनुबंध II(iv) के अनुसार घरेलू उत्पादकों पर पाटित आयातों के प्रभाव का आकलन करने के लिए ऐसे संकेतकों पर विचार कर सकता है जो उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डाल सकते हैं। जैसे उत्पादन, क्षमता का उपयोग, बिक्री की मात्रा, भंडार, लाभप्रदता, निवल बिक्री प्राप्ति, पाटन की मात्रा तथा मार्जिन इत्यादि।

### 17.0 याचिकाकर्ता का तर्क

- 17.1 याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया है कि ताइवान न तो डब्ल्यू टी ओ का सदस्य है न ही भारत सरकार ने ताइवान को परम मित्र राष्ट्र का दर्जा दिया है। इसलिए याचिकाकर्ताओं को यह प्रमाणित करने की आवश्यकता नहीं थी कि उन्हें वास्तविक क्षति हुई है और यह कि निर्दिष्ट प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग को हुई क्षति के संबंध में जांच परिणामों को रिकार्ड करना अपेक्षित नहीं था। चूंकि निर्दिष्ट प्राधिकारी ने क्षति संबंधी सूचना मांगी थी जिसे याचिकाकर्ताओं ने उसे प्रस्तुत किया था जिससे लगभग यह प्रमाणित होता था कि घरेलू उद्योग को पाटन के कारण वास्तविक क्षति हुई है।
- 17.2 ताइवान से हुए आयातों में समग्र रूप से वृद्धि हुई है।
- 17.3 ताइवान से भारत में हुए आयातों में अत्यधिक वृद्धि के परिणामस्वरूप ताइवान मूल के आयातों के बाजार हिस्से में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है।
- 17.4 स्वदेशी एन बी आर का उत्पादन कम रहा है और इसके फलस्वरूप, क्षमता उपयोग खराब रहा है। एन बी आर संयंत्र का उपयोग कुछ निर्धारित ऊपरी लागत की पूर्ति करने के लिए अंशतः गैर एन बी आर उत्पादों के उत्पादन के लिए किया जा रहा है।
- 17.5 स्वदेशी एन बी आर का बिक्री कीमत जबरदस्त दबाव में रही है और इसमें काफी कमी की गई है। कीमतें लाभकारी नहीं रही हैं और एपाइ लिमिटेड को अपनी उचित बिक्री कीमत से कम कीमत पर बिक्री करने के लिए मजबूर किया गया है।
- 17.6 कर्मचारियों में व्यापक फेरबदल किया गया है क्योंकि कार्य स्तर निम्न रहा है।
- 17.7 कंपनी के एन बी आर व्यापार में लाभप्रदता की स्थिति इसके स्थापना काल से ही बहुत खराब रहा है। घरेलू उद्योग को एन बी आर से संबंधित अपनी बिक्री के कारण पहले भी घाटा हो रहा था। विगत में हुआ घाटा जापान, कोरिया और जर्मनी जैसे देशों से पाटन के

कारण हुआ था। इसलिए घरेलू उद्योग को विगत में हुए घाटे को दूसरे देशों से एन बी आर के पाटन से घरेलू उद्योग को हुई क्षति के संदर्भ में देखना पड़ता है। निरंतर चल रही प्रतिकूल स्थितियों को देखते हुए एपार लिमि. ने स्वयं को मै0 जी ए पी एल में विलय करने का प्रस्ताव किया था।

17.8 एक्रीलोनाइड्रायल और ब्यूटाडाइन की कीमतों में गिरावट के संबंध में, याचिकाकर्त्ताओं ने अनुरोध किया है कि इन कच्ची सामग्रियों की कीमतों में गिरावट से दोनों बाजारों में एन बी आर की कीमत प्रभावित होनी चाहिए और इस प्रकार इससे पाटन की कार्रवाई के संबंध में कोई भेद नहीं किया जाना चाहिए। इसके अलावा, भारत में निर्यात कीमत में आई गिरावट कच्चे माल की कीमतों में गिरावट के फलस्वरूप लागत में कमी आने के कारण आई गिरावट से काफी अधिक है।

17.9 निर्यातकों द्वारा किए गए अनुरोधों से यह स्पष्ट होता है कि इसने पाटन का सहारा लिया है। परिमाण में पर्याप्त वृद्धि, निर्यातकों द्वारा किए गए बेतहाशा और प्रतिस्पर्धी विपणन कार्य के परिणामस्वरूप और उपभोक्ताओं को कीमत में रियायत देने के कारण हुई है, इस प्रकार याचिकाकर्त्ताओं को सीधे ही वास्तविक क्षति हुई है।

#### 18.0 पाटित आयातों का परिमाण और बाजार हिस्सा

ताइवान से एन बी आर का आयात 79 मी.टन(1996-97) से बढ़कर 208 मी.टन (1997-98) और अप्रैल-दिसम्बर, 1998 में 375 मी.टन(500 मी.टन वार्षिक आधार पर) तक हो गया। आयातों में समग्र रूप से अत्यधिक वृद्धि हुई है।

परिणामस्वरूप ताइवान से हुए आयातों का बाजार हिस्सा 1996-97 में 1.76 % से बढ़कर 1997-98 में 4.45 % और 1998-99 (अप्रैल-दिसम्बर) में 11.12 % हो गया।

#### 19. घरेलू उद्योग को प्रभावित करने वाले आर्थिक मापदण्ड

##### (i) उत्पादन और क्षमता उपयोग

घरेलू उद्योग का उत्पादन में वर्ष 96-97 की तुलना में वर्ष 97-98 में समग्र रूप से कमी आई जिससे क्षमता उपयोग 75% से गिरकर 69% हो गया। वर्ष 1997-98 की तुलना में वर्ष 1998-99 (वार्षिक रूप में) के दौरान उत्पादन में वृद्धि हुई है और क्षमता उपयोग 83% था, जैसा कि दर्शाया गया है। तथापि, उत्पादन में वृद्धि को जापान और उसके बाद जर्मनी तथा कोरिया से हुए आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के संदर्भ में देखा जाना है।

(ii) समग्र बिक्री

	1995-96	1996-97	1997-98	1998-99 (जांच अवधि)	वार्षिक रूप में
बिक्री मात्रा(मी.टन)	3535	4141	3659	3165	4220

यद्यपि बिक्री की मात्रा में वृद्धि हुई है फिर भी, इसे जापान और उसके बाद जर्मनी तथा कोरिया से हुए आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के संदर्भ में देखा जाना है।

(iii) स्टॉक

घरेलू उद्योग के पास एन बी आर का स्टॉक निम्नानुसार रहा है:

	1996-97	1997-98	1998-99 (जांच अवधि)	वार्षिक रूप में
आरंभिक स्टॉक (मी.टन)	65	223	183	244
अन्तिम स्टॉक (मी.टन)	223	183	191	255
औसत स्टॉक (मी.टन)	144	203	182	243
उत्पादन(मी.टन)	4683	4297	3874	5165
स्टॉक उत्पादन के दिनों की संख्या	11.22	17.24	17.15	17.15

प्राधिकारी नोट करते हैं कि हालाँकि स्टॉक स्थिति में सुधार हुआ है (जिसे पूर्व में संबद्ध वस्तुओं का पाटन करते हुए पाए गए अनेक देशों पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के संदर्भ में देखा जाना है) फिर भी स्टॉक का स्तर अभी भी अत्यधिक उच्च है।

(iv) औसत बिक्री प्राप्ति

संदत उत्पाद शुल्क, बिक्री कमीशन (यदि कोई हो) और बिक्री पर दी गई बिक्री छूट (यदि कोई हो) को छोड़कर घरेलू उद्योग की निवल औसत इकाई बिक्री प्राप्ति में निम्नानुसार पर्याप्त रूप से गिरावट आयी:

	1996-97	1997-98	1998-99
बिक्री कीमत (रूपया प्रति किग्रा)	91.99	84.77	85.42

प्राधिकारी पाते हैं कि औसत बिक्री वसूली में इन वर्षों से गिरावट आई है । इसके अलावा, यह घरेलू उद्योग की उचित बिक्री कीमत से बहुत कम है ।

#### (v) लाभ/हानि

घरेलू उद्योग को एन बी आर से संबंधित अपनी बिक्री से पहले भी हानि हो रही थी । तथापि, विगत में हुई हानि जापान, कोरिया गणराज्य और जर्मनी से पाटन के कारण हुई थी । घरेलू उद्योग को पाटन से हो रही वास्तविक क्षति को ध्यान में रखते हुए इन देशों से हुए आयातों पर प्राधिकारी ने पहले पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की थी । इसलिए घरेलू उद्योग को विगत में हुई हानि को दूसरे देशों द्वारा किए गए पाटन से घरेलू उद्योग को हुई क्षति के संदर्भ में देखा जाना है । तथापि, प्राधिकारी ने यह पाया है कि घरेलू उद्योग को अपनी उचित बिक्री कीमत से काफी कम कीमत पर बिक्री करने के लिए बाध्य किया गया था और जांच अवधि में भी उसे हानि हुई है तथा वह एन बी आर से संबंधित अपनी बिक्री पर समुचित लाभ अर्जित करने में समर्थ नहीं था ।

#### 20. प्राधिकारी द्वारा जांच

प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि अनेक ऐसे तर्क दिए गए हैं जिनमें यह प्रदर्शित किया गया है कि क्षति का कोई खास मापदंड, घरेलू उद्योग की क्षति को नहीं दर्शाता है और इसलिए घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हुई है । पहले जारी की गई अनेक पाटनरोधी अधिसूचनाओं में प्राधिकारी पहले यह दृष्टिकोण अपना चुके हैं और वह वर्तमान मामले में भी यह नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग से संबंधित क्षति संबंधी सभी मापदण्डों द्वारा घरेलू उद्योग को हुई क्षति का संकेत दिया जाना जरूरी नहीं है । पाटनरोधी नियमों के अनुसार, घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में उद्योग की स्थिति को प्रभावित करने वाले सभी संगत आर्थिक कारकों और संकेतकों का मूल्यांकन शामिल होता है । प्राधिकारी ने क्षति का निर्धारण संचयी रूप से सभी संगत आर्थिक मापदण्डों को ध्यान में रखकर किया था जैसा कि प्रारंभिक निष्कर्षों में विचार किया गया था ।

21. प्राधिकारी नोट करता है कि यह तर्क दिए गए हैं कि अन्य कारक भी हैं जो स्वदेशी उद्योग को क्षति पहुंचा रहे हैं, जैसे निर्यातक के संयंत्र का आकार, याचिकाकर्ता की अपनी क्षमता बढ़ाने की असमर्थता, अनुपयुक्त कच्चा माल तथा माल-सूची प्रबंधन, अनुपयुक्त वित्तीय प्रबंधन आदि । प्राधिकारी नोट करता है कि किसी भी कारक को स्वदेशी उद्योग को हुई क्षति पर उनके प्रभाव के संबंध में बढ़ा-चढ़ा कर प्रस्तुत नहीं किया गया है । जैसा कि आरंभिक निष्कर्षों में बताया गया है, स्वदेशी उद्योग की क्षति को समाप्त करने के लिए आवश्यक पाटनरोधी शुल्क की सीमा को निश्चित विश्लेषण करते समय प्राधिकारी ने, स्वदेशी उद्योग के लिए क्षमता उपयोग के अधिकतम स्तर पर उत्पादन की अधिकतम लागत पर विचार करते हुए विस्तृत विश्लेषण के माध्यम से स्वदेशी उद्योग के लिए भारत में एन बी आर के उचित बिक्री मूल्य पर भरोसा किया है । इस प्रकार, क्षति का निर्धारण करते समय, यह स्वीकार नहीं किया गया है कि स्वदेशी उद्योग की अकुशलता, यदि कोई हो, का परिणाम उपभोक्ता भुगतें ।

## 22. क्षति के संबंध में निष्कर्ष

- जांच अवधि के दौरान संबद्ध देश से एन बी आर के आयातों में समग्र रूप से पर्याप्त वृद्धि हुई है;
- जांच अवधि के दौरान भारत में एन बी आर के आयातों में संबद्ध देश के हिस्से में काफी वृद्धि हुई;
- संबद्ध देश से एन बी आर के निर्यातों ने घरेलू उद्योग को अपनी कीमतें अलाभकारी स्तर पर रखने के लिए बाध्य किया और घरेलू उद्योग को अपने उचित बिक्री मूल्यों को प्राप्त करने से रोका जिसके फलस्वरूप घरेलू उद्योग को वित्तीय घाटा हुआ;
- घरेलू उद्योग से संबंधित विभिन्न संकेतकों "जैसे उत्पादन में वृद्धि, क्षमता उपयोग और बिक्री मात्रा पर जापान, कोरिया तथा जर्मनी जैसे अन्य देशों पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की दृष्टि से विचार करना होता है। औसत बिक्री प्राप्ति में गिरावट आ रही है और वह घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत से काफी कम है। स्टॉक के स्तर अभी भी अधिक हैं। तथापि, जहाँ तक घाटे का संबंध है, प्राधिकारी यह पाते हैं कि जांच अवधि में भी घरेलू उद्योग को घाटा उठाना पड़ा है और इसलिए वह एन बी आर से संबंधित अपनी बिक्री पर उचित लाभ प्राप्त नहीं कर सका। अतः, घरेलू उद्योग से संबंधित विभिन्न मापदण्ड सामूहिक और संयोजी रूप से यह दर्शाते हैं कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है;

अतः प्राधिकारी यह पाते हैं कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

## अ. कारणात्मक संबंध

23.0 पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को हुई वास्तविक क्षति का निर्धारण करते समय प्राधिकारी ने निम्नलिखित तथ्यों को ध्यान में रखा है:

(क) संबद्ध देश से उत्पाद को आयातों में समग्र रूप में संचयी वृद्धि हुई है। इस अवधि के दौरान कुल आयातों में संबद्ध देश का हिस्सा भी बढ़ा है जिसके प्रत्यक्ष परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग ने महत्वपूर्ण स्तर तक अपना बाजार खो दिया है, जिसे उसने अन्यथा प्राप्त कर लिया होता।

(ख) संबद्ध देश से एन बी आर के अत्यधिक आयातों से घरेलू उद्योग अपने उत्पादों को अलाभकारी कीमतों पर बेचने के लिए बाध्य हुआ जिससे वित्तीय घाटा उठाना पड़ा। इसके अतिरिक्त, निर्यातक द्वारा प्रस्तावित कम कीमतों से घरेलू उद्योग अपनी कीमतें आयातित वस्तुओं की कीमतों के बराबर करने के लिए बाध्य हुआ। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग को हुई क्षति को दर्शाने वाले विभिन्न मापदण्डों के समग्र रूझान से यह प्रमाणित होता है कि इसका कारण संबद्ध देश से हुए आयात हैं।

(ग) सभी संबंधित तर्कों पर विचार करने के पश्चात् प्राधिकारी इस बात की पुष्टि करते हैं कि घरेलू उद्योग को क्षति संचयी रूप से ताड़वान से हुए पाटित आयातों के कारण हुई थी।

## ट. अन्य मामले

24.0 याचिकाकर्ताओं द्वारा दिए गए तर्क : जहाँ तक मै0 पुनीत रेजिन लि0, बम्बई की जांच में हितबद्ध पक्षों की सूची में उनके नाम को शामिल किए जाने के अनुरोध का संबंध है, याचिकाकर्ताओं ने यह अनुरोध किया है कि पुनीत लि0 को एक ऐसी कंपनी के रूप में माना जाता है जिसमें ऋषि रूप पोलिमर्स प्रा0 लि0 के अरविन्द कपूर का पर्याप्त हित निहित है। इसके अतिरिक्त, यह उल्लेख किया गया है कि उनकी जानकारी के अनुसार मै0 पुनीत रेजिन ने ताइवान से कभी भी एन बी आर का आयात नहीं किया है। कंपनी द्वारा भागीदारी शरारतपूर्ण तथा परोक्ष उद्देश्यों से प्रेरित है।

24.1 प्राधिकारी का विचार: मै0 पुनीत रेजिन्स लि0 ने प्राधिकारी से उन्हें एक हितबद्ध पक्ष के रूप में जांच में शामिल करने का अनुरोध किया था तथा प्राधिकारी ने उनके अनुरोध को स्वीकार कर लिया है।

25.0 पाटनरोधी शुल्कों का उद्देश्य किसी भी स्रोत से आयातों को प्रतिबंधित करना नहीं है। अतः यह कहना गलत होगा कि पाटनरोधी शुल्कों के लगाए जाने से उपभोक्ताओं को उत्पाद की उपलब्धता पर किसी प्रकार का प्रभाव पड़ेगा। नियमों में यह प्रावधान नहीं है कि याचिकाकर्ता अथवा घरेलू उद्योग को भी पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की दशा में देश की समूची मांग को पूरा करने की स्थिति में होना चाहिए।

26.0 दिए गए ब्यौरों के सिवाए प्राधिकारी भारतीय उद्योग के हित तथा अन्य मामलों और पहुँच मूल्य के संबंध में आरंभिक निष्कर्षों के पैरा ड तथा ढ की पुष्टि करते हैं।

## ड. अंतिम जांच परिणाम

27.0 प्राधिकारी ने पूर्वोक्त पर विचार करने के बाद यह निष्कर्ष निकाला कि:

- (क) ताइवान के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित एन बी आर का भारत में निर्यात उसके सामान्य मूल्य से कम पर किया गया है जिसके परिणामस्वरूप पाटन हुआ है;
- (ख) घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है;
- (ग) पाटन और क्षति के बीच कारणात्मक संबंध स्थापित होता है।

28 प्राधिकारी ने पाटन मार्जिन के बराबर अथवा उससे कम पाटनरोधी शुल्क, जिसे यदि लगाया जाता है तो उससे घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त हो जाएगी, की राशि तथा ऐसे शुल्क लगाए जाने की तिथि (यथासंशोधित उपरोक्त नियम 4 का खंड (घ) ) की सिफारिश करने पर विचार किया। तदनुसार यह प्रस्ताव किया जाता है कि इस संबंध में केन्द्र सरकार द्वारा जारी की जाने

वाली अधिसूचना की तिथि से सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम के अध्याय 40 के अन्तर्गत आने वाले ताइवान के मूल के या वहां से निर्यात किए गए एन बी आर के सभी आयातों पर निश्चित पाटनरोधी शुल्क लगाया जाए:-

निर्यातक का नाम	शुल्क की राशि ( रु प्रति मी.टन)
उद्गम का देश: ताइवान	
नेनटेक्स इंडस्ट्रीज कं. लि. ताइवान	6 288
उपरोक्त से भिन्न निर्यातक	6 288

29. इस प्रयोजन के लिए आयातों का पहुंच मूल्य, सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 के अंतर्गत सीमाशुल्क विभाग द्वारा यथानिर्धारित आकलित मूल्य होगा और, सीमाशुल्क अधिनियम, 1975 की धारा 3, 3(ए), 8बी, 9 तथा 9 ए के अंतर्गत लगाए गए अतिरिक्त सीमाशुल्कों के अलावा सभी सीमाशुल्क इसमें शामिल होंगे।

30. उपरोक्त के अधीन रहते हुए प्राधिकारी 28.9.1999 के आरंभिक निष्कर्षों की पुष्टि करता है।

31. इस आदेश के विरुद्ध अपील, उपरोक्त अधिनियम के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क तथा स्वर्ण (नियंत्रण) अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष दायर की जाएगी।

रति विनय झा, निर्दिष्ट प्राधिकारी

## MINISTRY OF COMMERCE

### NOTIFICATION

New Delhi, the 23rd February, 2000

**Subject : Anti-Dumping investigation concerning imports of Acrylonitrile Butadiene Rubber (NBR) from Taiwan—Final Findings.**

**22/1/99-DGAD.**— Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-dumping on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, thereof:

#### A. PROCEDURE

1. The Procedure described below has been followed:
  - i) The Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority) notified preliminary findings vide Notification no. 22/1/99.DGAD dated 28.9.99 and requested the interested parties to make their views known in writing within forty days from the date of its publication;
  - ii) Forwarding a copy of the preliminary findings, all known interested parties were requested to furnish their views, if any, on the preliminary findings within forty days of the date of the letter;
  - iii) The Authority also forwarded a copy of the preliminary findings to the Taipei Economic and Cultural Centre, New Delhi with a request that the exporters and other interested parties may be advised to furnish their views on the preliminary findings;



- iv) The Authority held a public hearing on 11<sup>th</sup> November, 1999 to hear views orally. All the parties attending the public hearing were requested to file written submissions of the views expressed orally. The parties were advised to collect copies of the views expressed by the opposing parties and were requested to offer their rebuttals. The following parties attended the public hearing:
- Taipei Economic & Cultural Centre, New Delhi.
  - M/s. Nantex, Taiwan
  - M/s. Sepulchre Brothers (India) Ltd., Bombay.
  - M/s. Sealink Bombay Trading Pvt.Ltd., Bombay
  - All India Rubber Industries Association, New Delhi.
  - M/s. Plexconcil, New Delhi.
  - M/s.Apar Ltd., Mumbai
- v) In accordance to Rule 16 of the Rules Supra, the essential facts/basis considered for these findings were disclosed to all the known interested parties. Comments received on the same have also been duly considered in these findings;
- vi) The views expressed by the exporters, importers and other interested parties involving common issues have not been repeated for the sake of brevity. The views expressed by various interested parties before the preliminary findings and addressed therein have also not been repeated for sake of brevity;
- vii) The investigations have been concluded within one year of initiation.
- viii) \*\*\*\* in this notification represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules;
- ix) Public Hearing: The Authority held a public hearing on 11<sup>th</sup> November, 1999 to hear the views orally. All interested parties were given the time schedule for written submission/exchange/rebuttals latest by 25.11.1999. Responses received in time have been considered.

## B PETITIONER'S VIEWS

- 2.0 The submissions of the petitioners on the preliminary findings have been examined and considered and dealt with appropriately;
- 2.1 Petitioners have argued that the normal value was required to be determined on the basis of constructed value. Since sufficient information on cost of production and price actually paid or payable in India was available with Designated Authority, the same should have been used to determine normal value of NBR in Taiwan, in view of the recent amendments (15<sup>th</sup> July, 1999) to the Rules. Further, it is evident from the preliminary findings that the company has not provided any evidence in support of the price adjustment claim. Since the

Designated Authority has already conducted verification before the preliminary findings the petitioners have requested the Authority to disregard any claim made by the exporter after the preliminary findings and exporter should not be allowed to give any evidence after the preliminary findings as the information, provided after the visit cannot be verified by the Authority.

C. THE VIEWS OF EXPORTERS, IMPORTERS AND OTHER INTERESTED PARTIES:

3.0 The importers and exporters have expressed their views, and the same are briefly mentioned below. The arguments expressed by the exporters and importers, which are similar in nature, have not been repeated for sake of brevity.

4.0 Exporters views:

4.1 M/s. Nantex Industries Company Ltd., Taiwan.

The exporters have stated that M/s. Nantex started manufacturing and marketing of NBR in the 80s and their goal was to achieve a dominant position in Taiwan NBR market against the international giants. A separate office has been set up in Taipei in order to serve customers in northern Taiwan as M/s. Nantex is situated at the southern tip of country. The exporters have stated that they offer extensive technical and after sales service to their domestic consumers. The service extends to the holding of required technical training and seminars with domestic consumers. Further, stocks have to be held for two to three months of requirement of domestic consumers. Further, they extend 90-120 day credit term to domestic consumers. All these efforts and investments are clearly meant to enhance the image of 'Nancar' NBR in the domestic market.

4.2 Exporters have stated that they have initiated and extended market activities in India through their authorised agents and stockists. Amongst other things they receive from Sepulchre Brothers, (Indian agents) required reports on forthcoming requirements from Indian customers alongwith reports on market information. Upon the receipt of confirmed orders from exporters through their agents they schedule and produce according to exporter orders. The stocks, therefore, do not linger too long in the warehouse.

4.3 M/s. Sealink Trading (their stockiest in India) submit to them a demand forecast to their import requirements for all grades of NBR for the future three months. Accordingly they plan their production schedule. With this arrangement the

exporters have reiterated that it becomes unnecessary for them to maintain high level of inventory for Indian customers as well.

5.0 Importer Views

5.1 M/s. Sealink Bombay Trading Pvt.Ltd., Bombay :

Importers have submitted that the observations of Designated Authority in the provisional findings that adjustments for domestic sales viz. technical service charges, insurance etc. have not been granted by the Authority. The exporters from Taiwan categorically have stated that they incurred additional expenses for their domestic market at the public hearing and hence to be considered.

5.2 Petitioner had manipulated its injury where none exists.

5.3 There is no bar on repeated application from the domestic industry on the same product against different countries. However, it is incumbent upon the Honorable Designated Authority and in the interest of nation at large that a higher analysis of injury is undertaken.

5.4 The petitioners have themselves admitted that "NBR project was envisaged and set up in era of substitution and 'License Raj'". M/s.Gujarat Apar was not allowed to put up a world size plant and the capacity was restricted. The petitioners balance sheet and annual report for the period 1998-99 refer to expansion of capacity, installation of co-generation, captive power and steam plant that would achieve saving in utility cost.

5.5 Honorable Designated Authority must consider, size of exporter plant in Taiwan and make necessary adjustments for the economies of scale.

5.6 Importers have submitted that Synthetic and Chemicals Ltd. closed down its NBR production nearly 5-6 years ago and this was long before there were any imports from Taiwan.

5.7 The average unit sales realisation of domestic industry declined significantly, without taking into account that the prices of monomer which have decreased dramatically.

5.8 The petitioner is horizontally integrated manufacturer with the NBR forming the base for several products and polyblend produced by them.

5.9 Petitioners' annual accounts for 1998-99 reports that they had diverted use of NBR plant in order to mitigate losses. This is improbable and misleading as the petitioner is operating in excess of 100% capacity.

5.10 The importers have stated that the sale in absolute terms cannot be viewed in isolation as the petitioner is diverting its NBR plant and facilities to manufacture other allied products, which bring them greater profitability. It will be observed that the prices from Korea even after the imposition of anti dumping duty has reduced dramatically and the volumes from Korea have increased as well. Further more, the volumes from Japan and Germany have decreased while the prices have increased. By contrast the volume of imports from Taiwan have marginally increased while prices have diminished in keeping with the reducing cost. It has been stated that injury if any, is being caused by import by Korea and not by Taiwan. The growth of market share from Taiwan needs to be considered in light of total market demand and the capacity of petitioner coupled with the anti dumping duty on traditional suppliers such as Japan and Germany.

5.11 The importers have prayed for removal of provisional duty imposed on imports from Taiwan.

6.1 Taipei Economic and Cultural Centre, New Delhi

They have stated that they are greatly concerned about the statement made by the attorney of petitioner during the public hearing that Taiwan is neither a member of WTO, nor the country of Most Favoured Nation. Treatment rendered by India, Taiwan case is not appropriate to apply safeguard measures under the agreement of Customs Tariff Act.

6.2 They have reiterated that Taiwan is an observer of the WTO and has already reached the final stage of becoming the member of WTO.

6.3 They have also stated that they have no diplomatic relations with India, however, the Taipei Economic and Cultural Centre, New Delhi & Taipei Association in Taipei both office handle not only visa related matters but also participate in the Government negotiations as normally embassies does its function.

7.0 All India Rubber Industries Association, New Delhi :

7.1 The Association have stated that they would like to draw the attention of Designated Authority to the objections raised by M/s. Rishiroop Polymers, a member of their association during the course of proceedings of anti dumping concerning imports of NBR from South Korea on 7.10.99.

- 7.2 M/s. Rishiroop Polymers had filed objections that Mr. A.K.Gupta, Ex-Asstt. Director who was earlier handling the case was now representing the petitioner (Apar Industries Ltd.) as a consultant. This had prejudiced their case and was against the principle of natural justice. Further the Designated Authority had clarified that legal opinion would be obtained from Ministry of Law in the matter.
- 7.3 It has been stated that no action in the anti dumping case against Taiwan to be taken till the decision about the validity of representing the interests of petitioner by Shri A.K. Gupta is taken.
- 7.4 That the entire anti dumping procedure be conducted de-novo from the very beginning and the rules of WTO and the principles of natural justice be followed religiously without any exceptions.
- 7.5 They have prayed that no person who was earlier working in the Directorate General of Anti dumping and Allied Duties should be allowed to appear before the Designated Authority in all cases which were initiated during the time when these officers were working in the Anti dumping Directorate General of Anti dumping and Allied Duties.

D EXAMINATION BY THE AUTHORITY :

- 8.0 The submission made by the petitioner, exporters, importers and other interested parties have been examined and considered and wherever appropriate, have been dealt hereinafter.
- 8.1 As regards to request by the petitioner to disregard any evidence given by the exporter after the preliminary findings, Authority holds that the contention of petitioner is unfounded, as certain adjustments were allowed and disallowed based on the evidence produced before /after verification of exporter information. If the exporter could furnish detailed evidence with regard to some of the adjustments disallowed in the preliminary findings, the same could be considered by the Authority in Final Findings in accordance with Rule 7(4);
- 8.2 As regards to arguments raised by M/s Nantex , Authority requested the exporter to furnish evidence on sales and technical service charges, insurance and financing cost, storage and handling and the amount of expenditure incurred thereon. It is noted that the additional information submitted by the exporter, it is noted that the evidence furnished is sketchy. They have not furnished details of

total expenses for NBR and other operations of the company separately. In the absence of information with respect to production and sales details of Latex and Elastomer separately it has not been possible to allocate the expenses with regard to technical service charges, insurance and finance cost, storage and handling expenses against Domestic and Export sales of NBR effected by the exporter. In view of the above, Authority has disregarded the adjustment claimed on these counts.

- 8.3 As regards to arguments raised by Taipei Economic and Cultural Centre, Authority considers appropriate to go ahead with the present anti-dumping investigations notwithstanding the fact that Taiwan is not a member of WTO; as anti dumping action has not been limited only to WTO members.
- 8.4 As regards to objection raised by one of the interested party during the course of the public hearing on 11<sup>th</sup> November 99 to Sri. A K Gupta (ex Asst Director) representing the petitioners as a Consultant, the Authority examined the issue and has held that Shri A.K. Gupta should not appear in such cases. General instructions have also been issued in this regard.

E. PRODUCT UNDER CONSIDERATION:

- 9.0 The product under consideration which has been investigated for dumping has been defined in the preliminary findings which is Acrylonitrile Butadiene Rubber (also referred as NBR). The Authority notes that the articles imported originating from the Taiwan were substitutable by the articles produced by the domestic industry, both commercially and technically. The scope of the present investigation was defined in the notice of initiation. The Authority confirms para E of the preliminary findings relating to product under consideration.

F. LIKE ARTICLES AND DOMESTIC INDUSTRY:

- 10.0 The arguments that findings relating to anti dumping investigations against Germany and Korea have concluded and anti dumping duty have been imposed and hence imports from these countries are affecting the domestic industry and imports from Taiwan is not injuring the domestic industry is not supported by any evidence. The observations made by the Authority in any particular case are based on the facts on records of that particular case and cannot be taken cognizance of other anti dumping cases. The Authority confirms the view on Like Article given in Para F of the preliminary findings dated 28.9.99.

**G. NORMAL VALUE AND EXPORT PRICE:**

- 11.0 The exporter has furnished some additional information on domestic prices. Informations regarding some adjustment like technical service charges, storage and handling etc. after the preliminary findings. As these evidences furnished by the exporter do not substantiate/reconcile with the expenses concerning total NBR operation by Nantex. Authority is constrained to disregard the information.

The Authority confirms para 11 & 12 of preliminary findings relating to normal value and export price.

- 12.0 Comparison: For the purpose of fair comparison between normal value and export price the Authority took into account the information furnished by exporters and other information available with the Authority. The normal value and export price has been compared at Ex-works level.

- 13.0 Dumping Margin: Since there is no other exporter from Taiwan, the Authority has not worked out dumping margins in respect of other producers/exporters. Based on the above, the comparison of normal value and export price the dumping margin in respect of Nantex Industries Co. works out to \*\*\*\* per MT. The dumping margin expressed as a percentage of export price of said producer works out to 13.39%.

**H. INJURY**

- 14.0 Under Rule 11 supra, Annexure-II, when a finding of injury is arrived at, such finding shall involve determination of the injury to the domestic industry, ".....taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles....". In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree;

Rule (iii) of the Annexure II to the Rules requires that in case imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to anti-dumping investigation, the Authority will cumulatively assess the effect of such imports. The such assessment can be, however, made only if it is determined that:

- a) the margin of dumping in relation to the imports from each country is more than two percent expressed as percentage of export price and the volume of the imports from each country is three percent of the import of the like article in India, and
- b) the cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic article.

15.0 In the present case, the dumping margin in respect of the exporter as also the country is more than the limits prescribed. Further, cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in the light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic article. The Authority has, therefore, cumulatively assessed the effects of these imports on the domestic industry.

16.0 For the examination of the impact of the imports on the domestic industry in India, the Authority may consider both (a) volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices in the domestic market for like article and (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such products. The Authority may, for the purpose of assessing the impact of the dumped imports on domestic producers, consider such indices having a bearing on the state of the industry as production, capacity utilization, sales quantum, stock, profitability, net sales realization, the magnitude and margin of dumping, etc. in accordance with Annexure II (iv) of the rules supra.



**17.0 Arguments by Petitioner.**

**17.1** The petitioner has alleged that Taiwan is neither a Member of WTO nor Government of India has accorded Most Favoured Nation status to Taiwan. Hence, the petitioners were not required to establish that they have suffered material injury and that the Designated Authority was not required to record findings with regard to the injury to the domestic industry. Since the Designated Authority called for information on injury the petitioners provided the same, which nearly established that the domestic industry has suffered material injury because of dumping.

**17.2** Imports from Taiwan have increased in absolute terms.

**17.3** Significant increase in imports to India from Taiwan has resulted in significant increase in market share of imports originating from Taiwan.

**17.4** The indigenous NBR production has been low and consequently, the capacity utilization has been poor. Partly, the NBR plant has been utilised for the production of non NBR products in order to recover some fixed overhead cost;

**17.5** The selling price of indigenous NBR is under tremendous pressure and has been reduced significantly. The prices are not remunerative and Apar Ltd. has been forced to sell below its fair selling price;

**17.6** There has been considerable turnover of employees because of low motivation level.

**17.7** The profitability of NBR operation of the company has been very poor since its inception. The domestic industry was making losses earlier also from its sales relating to NBR. The losses being made in the past were on account of dumping from countries like Japan, Korea and Germany. The losses suffered by domestic industry in the past have to be therefore, seen in the context of injury suffered by domestic industry from the dumping of NBR from other countries. In view of the continued adverse conditions Apar Ltd. had proposed to merge itself with M/s GAPL.

**17.8** With regard to decline in prices of Acrylonitrile and Butadiene, the petitioners have submitted that the decline in prices of these raw materials should affect NBR prices in both markets and thus would not make any difference with regard to act of dumping. Moreover, decline in export price in India is far more than decline attributable to cost reduction as a result of decline in raw material prices.

17.9 It is evident from submissions made by the exporters that it has resorted to dumping. Substantial increase in volumes is a result of aggressive and competitive marketing done by the exporters and the price reductions offered to the consumers, thus directly causing material injury to the petitioners.

18.0 Volume and Market share of Dumped imports:

Imports of NBR from Taiwan increased from 79 MT (1996-97) to 208 MT (1997-98) and 375 MT in April-Dec.1998 ( 500 MT on annualized basis). The imports have increased significantly in absolute terms.

The market share of imports, from Taiwan as a result, increased from 1.76% in 1996-97 to 4.45% in 1997-98 and 11.12 % in 1998-99 (April-Dec).

19. Economic parameters affecting the domestic industry:

i) Production and Capacity Utilisation:

Production of the domestic industry decreased in the year 97-98 compared to 96-97 in absolute terms thereby lowering the capacity utilisation to 69% from 75%. The production has increased during the year 1998-99(annualised) compared to 1997-98 and the capacity utilisation was at 83% as shown below. However, the increase in production has to be seen in the light of imposition of anti-dumping duty on imports from Japan followed by Germany and Korea.

ii) Sale in absolute terms:

	1995-96	1996-97	1997-98	1998-99 (POI)	Annualised
SALES VOLUME(MT)	3535	4141	3659	3165	4220

Though the sales volume has increased, the same has to be seen in the context of imposition of anti-dumping duty on imports from Japan followed by Germany and Korea.

## iii) Stocks:

Stock of NBR with the domestic industry has been as under:

	1996-97	1997-98	1998-99 (POI)	Annualised
Opening stock (MT)	65	223	183	244
Closing stock (MT)	223	183	191	255
Average stock (MT)	144	203	182	243
Production (MT)	4683	4297	3874	5165
Stock number of days of production	11.22	17.24	17.15	17.15

The Authority notes that though stock position has improved (which has to be seen in the context of imposition of anti-dumping duty on a number of countries earlier found to dumping the subject goods), the stock levels are still very high.

## iv) Average Sales Realisation:

Net average unit sales realisation of the domestic industry, after excluding excise duty, sales commissions paid (if any) and discounts on sales paid (if any) declined significantly as follows:

	1996-97	1997-98	1998-99
SELLING PRICE (Rs.per kg.)	91.99	84.77	85.42

The Authority finds that average sales realisation has decreased over the years. Further, the same is significantly below the fair selling price of the domestic industry.

## v) Profit/Loss:

The domestic industry was making losses earlier also from its sales relating to NBR. However, the losses being made in the past were on account of dumping from Japan, Republic of Korea and Germany. The Authority earlier recommended anti-dumping duty on imports from these countries in view of

dumping causing material injury to the domestic industry. The losses suffered by the domestic industry in the past have to be, therefore, seen in the context of injury suffered by the domestic industry from the dumping from the other countries. The Authority, however, finds that the domestic industry was forced to sell significantly below its fair selling price and still suffered losses in the investigation period and was not able to earn reasonable profits on its sales relating to NBR.

20. Examination by the Authority: The Authority notes that many arguments have been made showing that a particular parameter of injury does not show injury to domestic industry and hence the domestic industry has not suffered injury. The Authority has already held the view in a number of anti-dumping notifications issued earlier and also notes in the instant case that all injury parameters relating to domestic industry need not indicate injury to the domestic industry. In accordance with the Anti-dumping rules, the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry includes an evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of industry. The Authority had assessed the injury cumulatively taking into account all the relevant economic parameters as discussed in the preliminary findings.
21. Authority notes that arguments have been made that there are other factors which are causing injury to the domestic industry such as size of the exporter plant, petitioners' inability to expand their capacity, improper raw material and inventory management, improper financial management etc.. The Authority notes that none of the factors have been quantified in terms of their impact of injury to the domestic industry. As already indicated in the preliminary findings, the Authority while ascertaining the extent of anti-dumping duty necessary to remove injury to domestic industry, relied upon reasonable selling price of NBR in India for the domestic industry, through detail analysis, by considering the optimum cost of production at optimum level of capacity utilisation for the domestic industry. By this, the inefficiencies if any, of the domestic industry are not allowed to be passed on to the consumers while determining the injury.

## 22. Conclusion on injury:

- The imports of NBR increased significantly in absolute terms from the subject country during the period of investigation;
- The share of the subject country in imports of NBR in India increased significantly during the investigation period;
- Exports of NBR from the subject country forced the domestic industry to keep its prices to unremunerative levels, and prevented the domestic industry from recovering its fair selling price, resulting in financial losses to the domestic industry;
- Various indicators relating to domestic industry such as increase in production, capacity utilisation and sales quantities have to be seen in light of the imposition of anti dumping duties on other countries like Japan Korea and Germany. The average sales realisation has been declining and is significantly below the non-injurious price for the domestic industry. The stock levels are still high. As regards to losses the Authority, however, finds that the domestic industry still suffered losses in the investigation period and was thus not able to earn reasonable profits on its sales relating to NBR. Hence, various parameters relating to domestic industry, collectively and cumulatively indicate that the domestic industry has suffered material injury;

The Authority thus observes that the domestic industry has suffered material injury.

## I CAUSAL LINK:

23.0 In determining the material injury to the domestic industry was caused by the dumping imports the authority took into account the following facts:

- (a) The imports of product from subject country cumulatively increased in absolute terms. The share of subject country in total imports also increased during the period as a direct consequence the domestic industry lost market to a significant level which it would have otherwise gained.
- (b) The substantial imports of NBR from subject country forced the domestic industry to sell its produce at unremunerative prices, resulting in financial losses. Further, the lower prices offered by the exporter forced the domestic industry to match the prices of imported goods. Authority notes, overall trend

of various parameters indicating injuries to the domestic industry established that the reasons for the same are the imports from subject country.

- (c) Authority, after considering all related arguments confirms that the injury to the domestic industry was caused cumulatively by dumped imports from Taiwan.

J. OTHER ISSUES:

24.0 Arguments by the petitioners: As regards to M/s. Puneet Resin Ltd. Bombay request for their inclusion of list of interested parties in the investigation, the petitioners have submitted that Puneet Ltd. is understood to be a company wherein Mr. Arvind Kapoor of Rishiroop Polymers Pvt. Ltd. has substantial interest. Further, It has been stated that to their knowledge M/s. Puneet Resins have as never imported any NBR from Taiwan. The participation by the company is motivated with mischievous and ulterior motives.

24.1 Authority's position: M/s Puneet Resins Ltd, requested the Authority to include them as an interested party in the investigations and the Authority has acceded to their request.

25.0 The purpose of anti dumping duties is not to restrict imports from any source. It would, therefore, be incorrect to say that imposition of ADD would in any way affect availability of product to the consumers. The rules do not provide that the petitioner or even the Indian industry should be in a position to meet the entire demand of the country in case anti dumping duties are to be levied.

26.0 Except as detailed in the foregoing, the Authority confirms para L & M of the preliminary findings with regard to Indian Industries interest and other issues and landed value.

K FINAL FINDINGS:

27.0 The Authority after considering the foregoing, concludes that :

- (a) NBR originating in or exported from Taiwan has been exported to India below normal value, resulting in dumping;
- (b) The Indian industry has suffered material injury;
- (c) The causal link between dumping and injury is established.

28. The Authority considered to recommend the amount of anti-dumping duty equal to the margin of dumping or less, which if levied, would remove the injury to the domestic industry, and the date of commencement of such duty ( clause(d) Rule 4 supra as amended). Accordingly, it is proposed that definitive anti-dumping duties as set out below be imposed, from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government, on all imports of NBR originating in or exported from Taiwan, falling under Chapter 40 of the Customs Tariff Act :

Name of the Exporter	Amount of Duty (Rs. Per MT)
<u>Country of origin: TAIWAN</u>	
M/s Nantex Industry Co. Ltd Taiwan	6288
Exporter other than above	6288

29. Landed value of imports for the purpose shall be the assessable value as determined by the customs under the Customs Act, 1962 including all duties of customs except Additional duty of Customs levied under Section 3 ,3A, 8B, 9 and 9 A of the Customs Act, 1975.
30. Subject to above, the Authority confirms the preliminary findings dated 28.9.99.
31. An appeal against this order shall lie to the Customs, Excise and Gold (Control) Appellate Tribunal in accordance with the Act supra

RATHI VINAY JHA, Designated Authority

